पाठ 3. नन्हा बादल

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को घमंड न करने की सीख देना है। इस पाठ के माध्यम से बच्चे समझ पाएँगे कि दूसरों की सहायता करना ही मनुष्य का सबसे अच्छा गुण है।

पाठ का सारांश

एक बार इंद्र देवता के दरबार में यह निर्णय लिया जाना था कि बादलों का सेनापति कौन हो। इसलिए छोटे-बड़े, काले, सफ़ेद, भूरे तथा मटमैले सभी रंगों के बादल वहाँ पहुँचे। सभी बादल स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ बतलाने लगे। वहीं एक कोने में बैठा नन्हा भूरा बादल सोच रहा था कि वह इन बड़े-बड़े बादलों की बराबरी भला कैसे कर पाएगा! जब इंद्र देवता ने सभी बादलों से जल बरसाने को कहा तो नन्हा भूरा बादल अन्य बादलों से विपरीत दिशा में चल दिया। उसने देखा कि एक गाँव में भयंकर अकाल पड़ा हुआ था। वहाँ के लोग गाँव छोड़कर जा रहे थे। नन्हे भूरे बादल ने अपना जल उस गाँव पर बरसाना शुरू कर दिया। लोगों ने नन्हे बादल को धन्यवाद दिया। उनकी खुशी देखकर नन्हा बादल बहुत खुश हुआ। शाम को जब विजेता की घोषणा हुई तब इंद्र देवता ने कोने में खड़े नन्हे भूरे बादल के सिर पर विजेता का ताज पहनाते हुए कहा कि जो दूसरों की भलाई के लिए सदैव तत्पर रहता है, वही सच्चे अर्थों में श्रेष्ठ कहलाता है। सारा दरबार तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से बादलों के बारे में चर्चा करें। जैसे– उन्हें बताएँ कि बादल कई रंगों के होते हैं। कभी-कभी तुम्हें बादलों में अलग-अलग आकृतियाँ भी दिखाई देती होंगी आदि। आज हम रंग-बिरंगे बादलों की कहानी पढ़ेंगे। पहले स्वयं पाठ का आदर्श वाचन करें। प्रत्येक बच्चे से भी पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। बीच-बीच में पाठ से संबंधित प्रश्न पूछते हुए पाठ की ओर बच्चों का ध्यान सुनिश्चित करते रहें। बच्चों से पूछें तथा उन्हें समझाएँ–

- ❖ बच्चों को विभिन्न रंगों के बादलों के बारे में बताएँ।
- ❖ उन्हें किस रंग के बादल अच्छे लगते हैं?
- ❖ जब बादल गरजते हैं और जल बरसाते हैं तो उन्हें कैसा लगता है?
- ❖ उन्हें बताएँ कि घमंड करना अच्छी बात नहीं है।
- ❖ क्या उन्होंने कभी अपने किसी मित्र की सहायता की है। उन्हें समझाएँ कि आवश्यकता पड़ने पर हमें दूसरों की सहायता करनी चाहिए।
- ❖ जिस प्रकार लोगों ने नन्हे बादल को मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। उसी तरह जब कोई तुम्हारी मदद करे तो उसका धन्यवाद अवश्य करना चाहिए।
- ❖ पाठ समाप्त होने पर बादलों से जुड़ी कोई कविता भी बच्चों को सुनाई जा सकती है।
- ❖ बादल कैसे बनते हैं, यह भी संक्षिप्त रूप में बच्चों को बताया जा सकता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।